सुंदर अदाओं की ग्लैमर गुड़िया हैं
रोशनी वालिया

20 सितंबर 2001 को प्रयागराज में जन्मीं अभिनेत्री रोशनी वालिया छह साल बाद फिल्मों में धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। उनकी पिछली फिल्म साल 2019 में 'आई एम बन्नी' थी। इस बार वह अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' से बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं। उनका अलग अंदाज देखने के लिए फैंस खासे बेताब हैं। अजय देवगन स्टारर 'सन ऑफ सरदार-2' फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। यह 13 साल पहले आई 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल पार्ट है। इस फिल्म में रोशनी ने अजय देवगन की झूठी बेटी का अभिनय किया है। वह हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पूरी स्टारकास्ट के सामने अपनी छोटे से शहर से बड़े मुकाम तक पहुंचने की कहानी सुनाते हुए इतनी इमोशनल हो गई थीं, कि फफककर रो पड़ी थीं। फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के बाद रोशनी वालिया का महत्वपूर्ण रोल है। रोशनी वालिया की पहचान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस के रूप में होती रही है। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर ही उन्होंने भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप में नन्ही राजकुमारी अजबदे का रोल निभाया था।

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' से बड़े पर्दे पर किया कमबैक

कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं

- रोशनी 'बालिका वधू', 'कच्ची उम्र के पक्के रिश्ते', 'देवों के देव महादेव' और 'रिंगा रिंगा रोजेस' जैसे फेमस टीवी सीरियल में नजर आई थीं। तारा-सुतारा सीरियल ने जहां उन्हें बड़ी पहचान दिलाई थी, वहीं 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की' में भी उनका काम सराहा गया था। रोशनी कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. वह 'माय फ्रेंड गणेशा-3' और 'मछली जल की रानी है' के साथ ही स्टार कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' में भी काम किया था।

रोशनी ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

हाल में ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस फोटो शेयर कर इंटरनेट का पारा हाई कर दिया था। बॉथ टब में उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए थे। इनमें वह गोल्डन वर्क वाली ब्रालेट में अदाएं दिखाती नजर आई थीं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग बॉटम वियर पहन रखी थी और बालों को ओपन वेवी स्टाइल में बना रखा था। रोशनी की मां का नाम स्वीटी और पिता का नाम विपुल वालिया है। उनकी बहन का नाम नूर है। रोशनी के मुताबिक उनको आर्यन खान पर क्रश है। जब वह छोटी थीं, तो उनकी फोटो काटकर कमरे में लगाती थीं।

न्यू रिलीज

रजनीकांत
की 'कुली' हिंदी में होगी 'मजदूर'

14
अगस्त से बड़े पर्दे पर धूम मचाने को तैयार 350 करोड़ बजट वाली सुपरस्टार की 171 वीं फिल्म

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर धूम मचाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले कहा जा रहा है कि इसका हिंदी नाम 'मजदूर' होगा। सोशल मीडिया हैंडल पर हिंदी नाम का खुलासा किया जा चुका है। लेकिन प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि अमिताभ बच्चन की कुली फिल्म के कारण हिंदी में नाम बदलने का फैसला लिया गया है। कुली एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है, जिसमें नागार्जुन, उपेंद्र और पूजा हेगड़े जैसे सितारे भी शामिल हैं। हाल ही में जारी फिल्म के टीजर में रजनीकांत एक बंदरगाह पर खड़े दिखाई देते हैं और कुछ आक्रामक दृश्यों के बाद वीडियो सुपरस्टार की सीटी के साथ समाप्त होता है।

कुली फिल्म को आधिकारिक तौर पर सितंबर 2023 में अस्थायी शीर्षक थलाइवर-171 के तहत रजनीकांत की मुख्य अभिनेता के रूप में 171वीं फिल्म के रूप में घोषित किया गया था। बाद में फिल्म के कुली शीर्षक की घोषणा अप्रैल 2024 में की गई थी। फिल्म की शूटिंग चेन्नई, हैदराबाद, विशाखापत्तनम, जयपुर और बैंकॉक में हुई है। कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। छायांकन गिरीश गंगाधरन और संपादन फिलोमिन राज ने किया है। कुली फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक रजनीकांत ने फिल्म के लिए 150 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। निर्देशक लोकेश कनगराज भी 50 करोड़ ले रहे हैं। फिल्म के प्रिंट और प्रचार के लिए 25 करोड़ अलग से खर्च किए जा रहे हैं। इस तरह कुल बजट 375 करोड़ तक हो चुका है। इस खर्च के मुकाबले फिल्म को डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स 130 करोड़ में बेचे गए हैं, सेटेलाइट राइट्स 90 करोड़ और म्यूजिक राइट्स को 20 करोड़ में बेचा गया है। इस आंकड़े से साफ है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से अगर सिर्फ 135 करोड़ भी वसूलने में सफल रहती है तो साल 2025 की ब्लॉकबस्टर साबित होगी।

फैशन

ग्लैमर के साथ स्टाइल बढ़ा रही
लेदर ज्वेलरी

अधिकतर विदेश में पसंद की जाने वाली लेदर ज्वेलरी अब देश में भी युवाओं के बीच ग्लैमर के साथ स्टाइल का तड़का लगा रही है। इसकी आकर्षक डिजाइन जहां एथनिक लुक को नया अंदाज प्रदान करती है, वहीं लेदर ड्रेस के साथ खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। लेदर ज्वेलरी के प्रति युवाओं की बढ़ती पसंद देखकर एक्सपोर्टर अब देशी बाजार में भी बेहतर क्वालिटी के उत्पाद उतार रहे हैं। पहले टैरिफ और अब युद्ध के बीच कमजोर हो रहे विदेशी बाजार की वजह से फिलहाल लेदर ज्वेलरी काफी कम कीमत पर उपलब्ध हो रही है।

कानपुर से फ्रांस, जॉर्डन, थाईलैंड, मलेशिया व सिंगापुर जाने वाली लेदर ज्वेलरी पिछले कुछ समय से शहर के बाजार में भी युवाओं को उपलब्ध हो रही है। कई रंगों में मौजूद लेदर ज्वेलरी में इयरिंग, अंगूठी, ब्रेसलेट, नेकलेस और घड़ी जैसे आभूषण युवाओं को खास पसंद आ रहे हैं। जींस व टीशर्ट के साथ पहनी जाने वाली यह ज्वेलरी देखने में खूबसूरत और नए फैशन ट्रेंड से मैच करती हुई मिल रही है। डिजाइन की बात की जाए तो इन ज्वेलरी में पारंपरिक राजस्थानी फोर्ट आर्ट को प्राथमिकता के साथ उकेरा गया है। इसके साथ ही पुर्तगाली डिजाइन को भी जगह दी गई है। लेदर ज्वेलरी के फैशन ट्रेंड को लेकर सना इंटरनेशनल एक्जिम के एमडी डॉ. जफर नफीस ने बताया कि बीते कुछ समय से लेदर ज्वेलरी की मांग स्थानीय बाजार में बढ़ी है। इसकी बड़ी वजह युवाओं के ट्रेंड में बदलाव आना है। इसके अलावा अब सोशल मीडिया फैशन ट्रेंड सेट करने लगा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में लेदर ज्वेलरी सबसे अधिक हिट हुई है। इसका असर बाजार की मांग पर भी पड़ा है।

कानपुर से विदेश में सबसे अधिक लेदर ज्वेलरी निर्यात की जाती थी। हाल ही में युद्ध और तनाव के साथ टैरिफ विवाद से वैश्विक बाजार में बदलाव आया है। इसके चलते एक्सपोर्टर के कई ऑर्डर भी कैंसिल हुए। विदेशी ऑर्डर कैंसिल होने के बाद कारोबारियों को भी नए बाजार की तलाश करनी पड़ी। इस स्थिति में सोशल मीडिया में अचानक बढ़े ट्रेंड के चलते कारोबारियों को देश के युवाओं के रूप में एक नया बाजार मिल गया। सोशल मीडिया रील्स को एक्सपर्ट लेदर ज्वेलरी के फैशन ट्रेंड में आने की बड़ी वजह मानते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार आ रही 'बिंगो' रील्स में सबसे अधिक लेदर ज्वेलरी का इस्तेमाल हो रहा है। जिसे देखकर युवा भी उस ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। ऐसे में सोशल मीडिया रील्स तेजी से लेदर ज्वेलरी ट्रेंड को हिट कर रही है। ऐसे में नई-नई डिजाइन की मांग पूरी करना एक चैलेंज है। इसे पूरा करने के लिए लेदर ज्वेलरी निर्माताओं ने हाल ही में कई डिजाइनर हायर किए हैं।

प्रस्तुति: राजीव त्रिवेदी

एक ऐसी अभिनेत्री, जो अभिनय के साथ ही देश और समाज में भी निभाना चाहती हैं अपनी भूमिका

इंटरव्यू

मधुरिमा तुली : 'द फेस ऑफ फोकस एंड फायर'

हर यात्रा की एक शुरुआत होती है। कभी संयोग से तो कभी संकल्प से। लेकिन, जब किसी कलाकार की यात्रा जुनून और समर्पण से हो तो वह प्रेरणा बन जाती है। ऐसी ही प्रेरणादायी शख्सियत हैं अभिनेत्री मधुरिमा तुली। एक खिलाड़ी से 'मिस उत्तरांचल' और फिर हिंदी सिनेमा की चमकदार दुनिया तक का उनका सफर केवल रोशनी और शोहरत तक की कहानी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष आत्मविश्वास और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ा एक ऐसा सफर है, जो हर युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा है। 'खेलों इंडिया' में विशेष अतिथि के रूप में मुम्बई से दिल्ली शिरकत करने आयीं अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने बातचीत के दौरान न सिर्फ अपने फिल्मी सफर को साझा किया बल्कि, अपनी वास्तविक पहचान चुनौतियों, भावनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की। मधुरिमा कलाकार के साथ-साथ एक कुशल एथलीट भी रही हैं। उनकी सोच यही तक सीमित नहीं हैं। उनके भीतर राजनीति को लेकर भी एक चेतना है वे सिर्फ रोल निभाने को नहीं, देश को दिशा देने की इच्छा भी रखती हैं। उनके साथ बातचीत के कुछ अंशः

प्रस्तुति: निशा सिंह

■ *आपने फिल्मों में आने का फैसला कब और कैसे लिया ?*

यह सब एक खूबसूरत संयोग की तरह शुरू हुआ। 90 के दशक की बात है, उस समय मेरे पापा प्रवीण तुली उड़ीसा में टाटा स्टील में एजीएम के पद पर कार्यरत थे। 25 वर्षों की सफल नौकरी के बाद उन्होंने अर्ली रिटायरमेंट ले लिया और हम-सब देहरादून शिफ्ट हो गए। यही 2003 में 'मिस्टर एंड मिस उत्तरांचल' प्रतियोगिता हुई, जिसमें मैंने भाग लिया और सौभाग्य से मुझे 'मिस उत्तरांचल' का खिताब मिला। यहीं से पहली बार यह एहसास हुआ कि मेरी असली रूचि एक्टिंग, डांसिंग और माडलिंग में है। मैंने अपनी मम्मी-पापा से मुम्बई जाकर अभिनय के क्षेत्र में कदम रखने की इच्छा जताई। उन्होंने मेरे सपने को अपना बनाया और हम-सब मुम्बई शिफ्ट हो गए। मुम्बई आकर मैंने एक्टिंग कोर्स किया और यहीं से मेरी फिल्मी यात्रा की शुरुआत हुई। यह सफर आसान नहीं था, लेकिन जब जुनून सच्चा हो, तो रास्ते खुद-ब-खुद बनते जाते हैं।

जब आप किसी फिल्म या धारावाहिक के लिए रोल चुनती हैं, तो किन बातों का विशेष ध्यान रखती हैं ?

सबसे पहले मैं यह देखती हूं कि मेरा किरदार कहानी में क्या है और कितना महत्वपूर्ण है फिर स्क्रिप्ट कितनी सशक्त है, निर्देशक और प्रोड्यूसर कौन है साथ ही को-एक्टर पर भी विशेष ध्यान देती हूं।

■ **आपकी पहली फिल्म और उससे जुड़ा अनुभव कैसा रहा ?**

मेरी पहली फिल्म दुर्भाग्यवश रिलीज नहीं हो पाई और यह मेरे लिए एक भावनात्मक झटका था। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। इसके बाद मुझे 'वार्निंग' फिल्म में काम करने का अवसर मिला, जिसके निर्देशक गुरूमीत और प्रोड्यूसर अनुभव सिन्हा थे। इस फिल्म के शूटिंग के दौरान हमलोगों ने खूब मस्ती की। यह फिल्म मेरे करियर का अहम मोड़ बनीं। इसके बाद मुझे 'बेबी' जैसी बड़ी फिल्म में काम करने का अवसर मिला, जिसमें मैंने अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभाई। यह फिल्म मेरे लिए एक सपने के पूरे होने जैसा था। इस फिल्म में काम करके न केवल मुझे खुशी मिली, बल्कि ऐसा लगा कि मेरी मेहनत रंग लाई।

■ **क्या आपको लगता है कि फिल्में समाज को बदलने की ताकत रखती है ?**

बिल्कुल, फिल्मों में समाज को बदलने की अद्भुत ताकत होती है। आजकल 'नारी प्रधान' फिल्में बन रही है। फिल्मों ने ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया है, जिन्हें पहले यह भी नहीं पता था कि टायलेट क्या होता है, आज वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रही हैं। महिलाओं में आत्मनिर्भरता और बदलाव की जो चेतना आई है, उसमें सिनेमा की बड़ी भूमिका है।

■ **सोशल मीडिया पर आपकी छवि और वास्तविक जीवन में कितना अंतर है ?**

दरअसल बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। मैं अपना सोशल मीडिया खुद हैंडल करती हूं इसलिए वहां वहीं नजर आता है जो मैं वास्तव में हूं। करियर की शुरुआत में, जब मैं काफी यंग थी, तो बिना सोचे समझे पोस्ट कर देती थी, एंजायटी से बचने के लिए अब मैं केवल अपने काम से जुड़ी बातें या अपनी यात्राओं की झलकियां ही साझा करतीं हूं। दिखावा मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है इसलिए सोशल मीडिया पर वहीं दिखाती हूं जो मैं असल में हूं।

■ **अगर आपको कोई और बनने का मौका मिले तो आप क्या बनना चाहेंगी ?**

अगर मुझे कोई और बनने का मौका मिले, तो मैं बिना किसी झिझक के देश की प्रधानमंत्री बनना चाहूंगी और देश को एक नई दिशा देना चाहूंगी।

■ **इंडस्ट्री में आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या थीं ?**

जब मैंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा, तो चुनौतियां हर मोड़ पर थीं और सच कहूं तो अब भी है। ये एक ऐसी यात्रा है जिसमें धैर्य, समर्पण और जुनून की परीक्षा हर दिन होती है। कई बार ऑडिशन के बाद उम्मीद बंधती थी, लेकिन आखिरी वक्त पर रोल किसी और को मिल जाता था, उस समय बहुत निराशा होती थी। मैंने खुद से वादा किया था कि मैं हार नहीं मानूंगी, लेकिन जब भी कमजोर पड़ी, मेरी फैमिली मेरा सबसे बड़ा सहारा बनी।

■ **कैमरे के पीछे आप कैसी हैं, गंभीर मस्त-मौला या शरारती ?**

कैमरे के पीछे मैं एक मिक्सचर हूं, कभी गंभीर तो कभी मस्तमौला। बचपन में मैं काफी शांत थी, लेकिन अब चुलबुली हूं। जिंदगी को पूरे दिल से जीने वाली, एकदम 'चिल्ड आउट'।

■ **क्या आपकी कोई गिल्टी प्लेजर फिल्म रहीं हैं ?**

हां, मेरी फिल्म 'वार्निंग' बॉक्स ऑफिस पर भले ही फ्लाप रही हो, लेकिन मुझे आज भी ये फिल्म बेहद इंटरटेनिंग लगतीं हैं इस फिल्म से मेरी कई यादें जुड़ी हैं। शूटिंग के दौरान हमलोगों ने खूब मस्ती की थीं।

■ **किस अभिनेता या अभिनेत्री के साथ काम करने की ख्वाहिश है ?**

लिस्ट तो लम्बी है! लेकिन खासतौर पर अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रितिक रोशन, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर, सुष्मिता सेन जैसी दिग्गजों के साथ काम करने की ख़्वाहिश है। ये सभी अपने दमदार अभिनय और प्रेरणादायक शख्सियत के लिए जाने जाते हैं।

■ **अपने फैंस से जुड़ा कोई वाकया जो आपके दिल को छू गया हो ?**

ऐसे कई वाकये है जो दिल को छू जाते हैं। कभी-कभी जब सुबह-सुबह मन थोड़ा उदास होता है और आप यूं हीं मोबाइल उठाकर देखते हैं, तो फैंस आपके लिए एक खूबसूरत पोस्ट डाल चुका होता है। उस पल जो मुस्कान चेहरे पर आती है, वो शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। ऐसे नि :स्वार्थ प्यार बहुत कम देखने को मिलता है इससे आत्मबल बढ़ता है।

■ **एक्टिंग के अलावा और कौन-कौन से काम करने की इच्छा है ?**

मेरे भाई श्रीकांत ने मुम्बई में एक प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की है, मैं उसके साथ प्रोडक्शन करना चाहूंगी। इसके साथ ही अगर मौका मिलेगा तो मैं निश्चित तौर पर निर्देशन के क्षेत्र में भी किस्मत आजमाऊंगी।

■ **एक युवा कलाकार होने के नाते, आप आज के युवा कलाकारों को क्या सलाह देना चाहेंगी ?**

सभी युवा कलाकारों को मैं सलाह देना चाहूंगी कि आप हमेशा अपने मकसद को याद रखें। मुश्किलें भी आएंगी, निराशा भी घेर सकती है, लेकिन यही वक्त है जब आपको अपने सपनों को थामें रहना है। अपने काम पर पूरा फोकस बनाए रखें साथ ही अपने परिवार से जुड़े रहें क्योंकि निराशा के वक्त परिवार बहुत बड़ा सहारा होता है।